साहित्य भवन

सरल

हिंदी

2

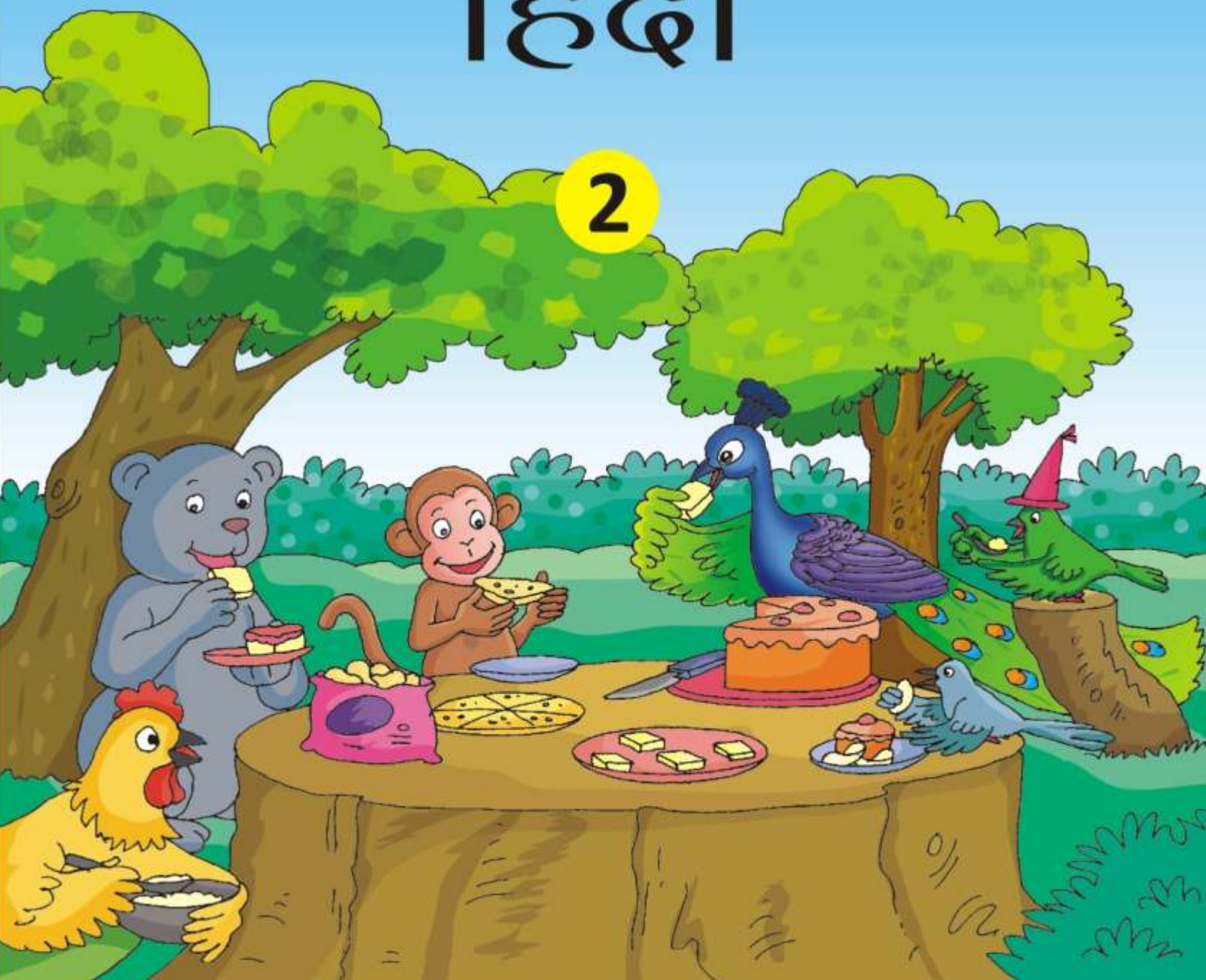

सरल

हिंदी

2

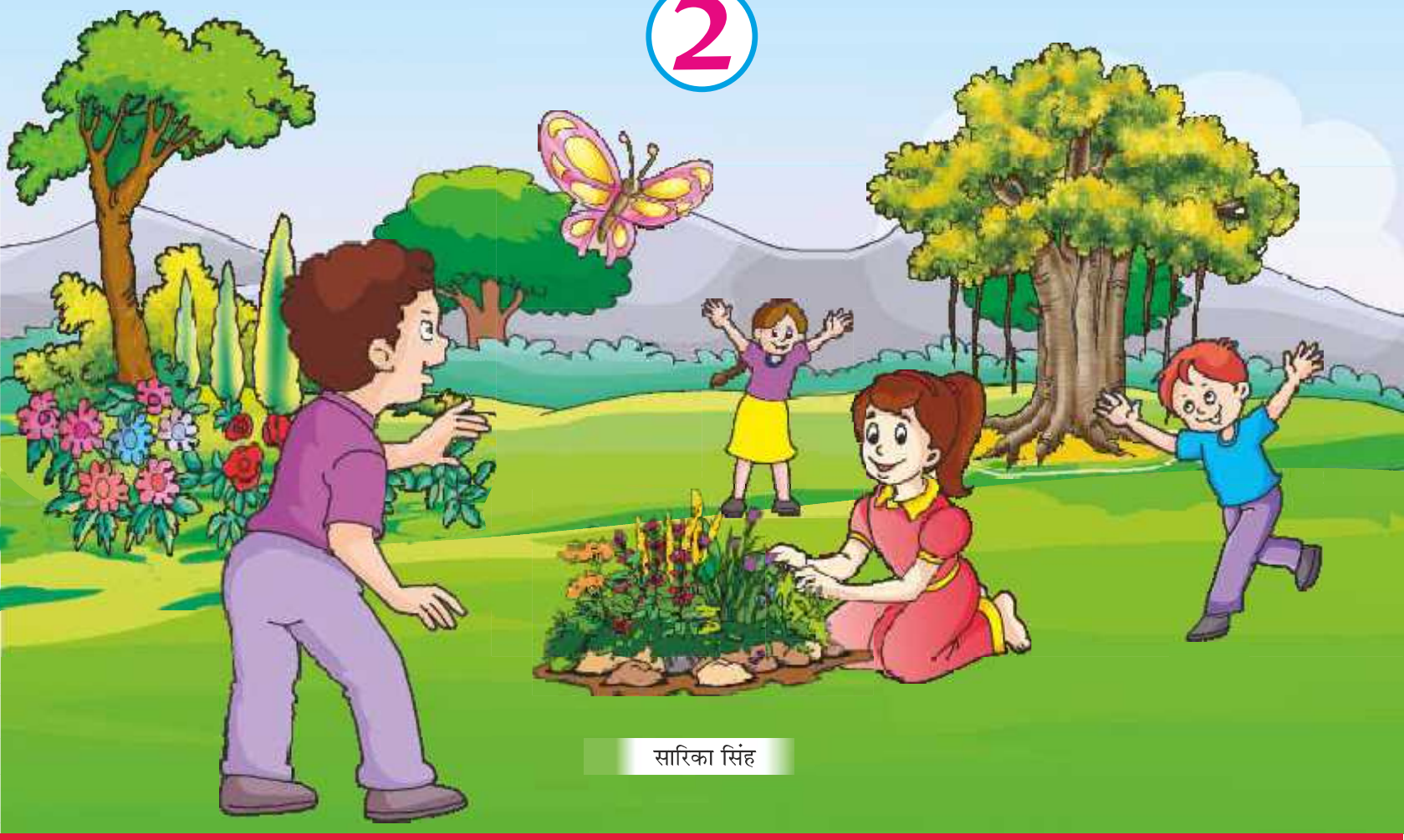

सारिका सिंह

साहित्य भवन®

कोड : 2328

प्रकाशक : **साहित्य भवन**
सी 17, साइट सी
सिकंदरा, औद्योगिक क्षेत्र
आगरा-282007 (उ.प्र.)

फोन : 9837052020, 8958500021

ईमेल : info@sahityabhawan.co.in

वेबसाइट : www.sahityabhawan.co.in

: www.facebook.com/sahityabhawan

© प्रकाशकाधीन सुरक्षित

- इस पुस्तक का कोई भी अंश प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित करना अविधिमान्य होगा।
- इस पुस्तक को यथासंभव त्रुटिहीन एवं अद्यतन रूप से प्रकाशित करने के सभी प्रयास किये गये हैं, फिर भी संयोगवश यदि इसमें कोई कमी अथवा त्रुटि रह गयी हो तो उससे कारित क्षति अथवा संताप के लिए लेखक, प्रकाशक एवं मुद्रक का कोई दायित्व नहीं होगा।
- किसी भी परिवाद के लिए न्यायिक क्षेत्र आगरा ही होगा।

दो शब्द

हिंदी पाठमाला आपके सम्मुख रखते हुए अत्यंत हर्ष व गर्व का अनुभव हो रहा है। नवीन परीक्षा-प्रणाली को आधार मानकर पुस्तक में नवीन पाठ्य-बिंदुओं का समावेश किया गया है। सिद्धांत वही—मस्तिष्क पर अधिक बोझ न डालते हुए बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

सरल भाषा में लिखी रोचक, मनोरंजक तथा रुचिकर सामग्री इस पुस्तक की विशेषता है। व्याकरण संबंधी प्रश्न भी सम्मिलित किए गए हैं। पाठों की संरचना व चयन बच्चों के मानसिक विकास व भाषा स्तर को ध्यान में रखकर किया गया है।

बच्चे खेल-खेल में खुशी-खुशी इन रचनाओं को पढ़ें तथा पसंद करें, इस हेतु पुस्तक में भारत सरकार के राजभाषा विभाग के निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया है।

जिन गुणीजनों की रचनाओं को इसमें सम्मिलित किया गया है, हम उनके बहुत आभारी हैं। विद्वान शिक्षकों व गुणीजनों के सुझावों व मार्गदर्शन का हार्दिक अभिनंदन है।

—लेखक

पाठ-क्रम

1. बच्चे हिंदुस्तान के (कविता) 2
2. बापू का बचपन (लेख) 5
3. सुंदर पक्षी मोर (लेख) 9
4. फूल हमेशा मुस्काता (कविता) 13
5. मित्रता (कहानी) 15
- वनों से लाभ (केवल पठन के लिए) 20
6. 'चिंकी' का जन्मदिन (कविता) 21
7. बेईमानी की कीमत (कहानी) 24
8. गिलहरी (कविता) 30
9. हमारा राष्ट्रीय पशु (लेख) 33
10. शेर और खरगोश (कहानी) 36
11. पिंजरे में शेर (कहानी) 40
12. उपकार का बदला (कहानी) 44
- पहेलियाँ (जरा सोच के बताना)(केवल पठन के लिए) 50
13. टेसू राजा अड़े खड़े (कविता) 52
14. हरिया की बहादुरी (कहानी) 56
15. पेड़ों की कटाई (संवाद—दो वृक्षों की बातचीत) 64
16. होली (लेख) 70
17. जब शेर बना बुद्धू (कहानी) 77
- पत्र—पिता का पुत्री को (केवल पठन के लिए) 86
- चिड़ियाघर की सैर (पोस्टर गतिविधि) 87
- पाठ–मूल्यांकन 90
- आओ दोहराएँ 92

लोमड़ी और सारस—चित्रकथा

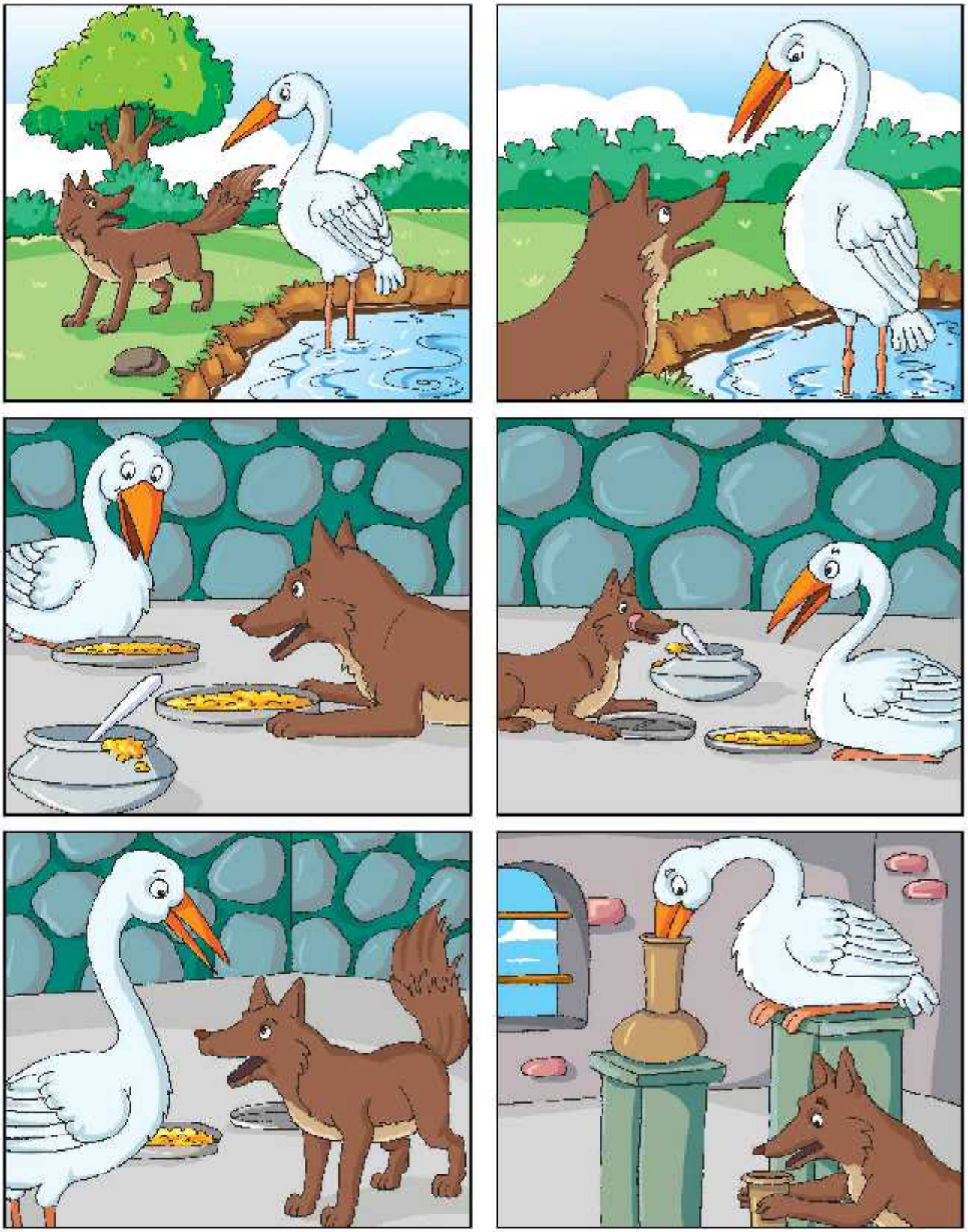

इस चित्र को देखकर कहानी कहें तथा शीर्षक भी दें।

पाठ - 1

बच्चे हिन्दुस्तान के

हम बच्चे हैं सबसे अच्छे,
बच्चे हिंदुस्तान के।
हम गाँधी हैं, हम सुभाष हैं,
नेता देश महान के।

हमने आगे बढ़ना सीखा,
डर के कभी न झुकना सीखा।
गीत सदा ही गाएँगे,
भारत के अभिमान के
हम बच्चे हिंदुस्तान के।

विपदाओं से नहीं डरेंगे,
बाधाओं से सदा लड़ेंगे।
इस धरती की शान बनेंगे,
एक नया इतिहास रचेंगे।
गीत सदा ही गाएँगे हम,
इस झंडे की शान के
हम बच्चे हिंदुस्तान के।

रचनात्मक तथा संकलित अभ्यास

शब्द-अर्थ

महान = बहुत बड़ा, श्रेष्ठ

विपदा = मुसीबत

अभिमान = गर्व

बाधा = कठिनाई

1. प्रश्नों के उत्तर दो :

(क) कविता में किन बच्चों का वर्णन है? वे कौन से देश के हैं?

(ख) बच्चे अपनी तुलना किन नेताओं से कर रहे हैं?

(ग) बच्चे क्या करना चाह रहे हैं?

2. सही उत्तर चुनकर (✓) लगाओ :

(क) भारत देश कैसा है?

(i) छोटा ☐

(ii) महान ☐

(iii) तंग ☐

(ख) बच्चे क्या चाहते हैं?

(i) आगे बढ़ना ☐

(ii) पीछे हटना ☐

(iii) रुक जाना ☐

(ग) बच्चे मुसीबत से :

(i) डर जाएँगे ☐

(ii) नहीं डरेंगे ☐

(iii) उसका डटकर सामना करेंगे ☐

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो :

(क) हमने आगे बढ़ना सीखा

डर के कभी .....

गीत सदा .....

भारत .....

(ख) हम गाँधी हैं .....

नेता .....

4. कविता याद करो तथा कक्षा में सुनाओ।

5. बिंदुओं से भारतमाता का चित्र बना है। उसे पूरा करो/रंग भरो।

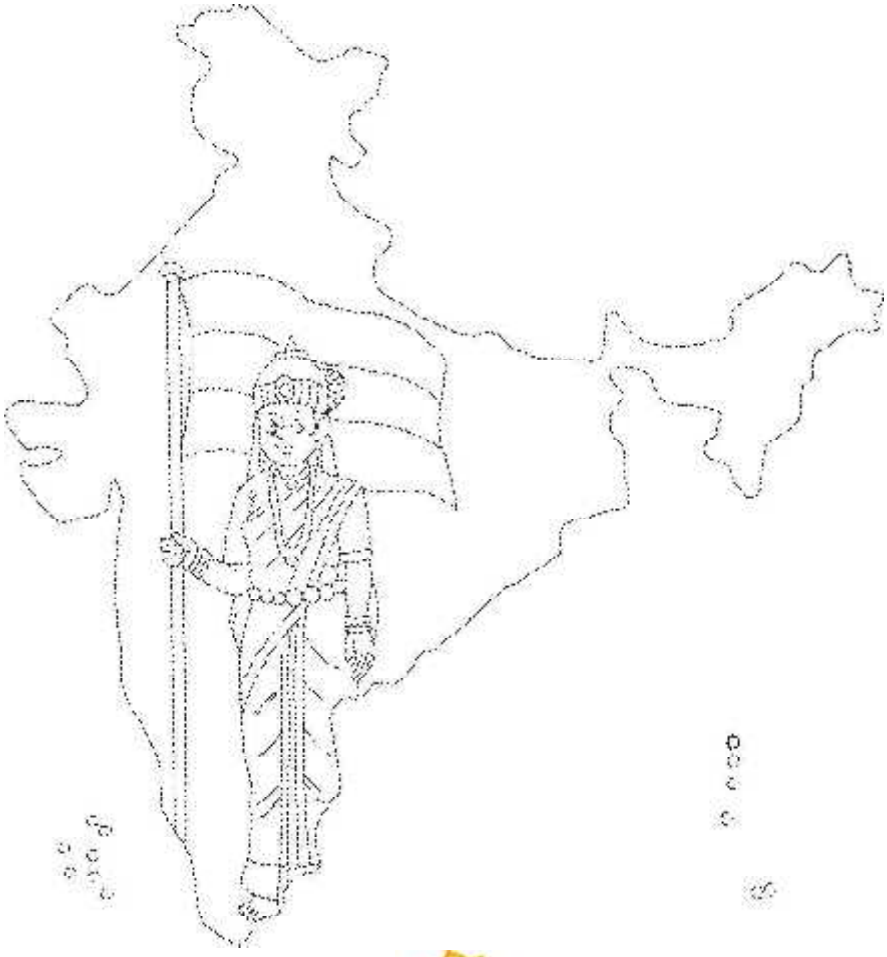

पाठ - 2

बापू का बचपन

महात्मा, बचपन, मोहनदास करमचंद गाँधी, छात्र, प्यार, बापू, महान, नेता, आजाद, अंग्रेजों, घटनाएँ, प्रेरणा, विद्यार्थी, अच्छा, इंस्पेक्टर, बेवकूफ, शिक्षक, सत्य, परीक्षा, ज़ाइल्स, जाँच।

महात्मा गाँधी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। प्यार से लोग उन्हें 'बापू' कहते थे। बापू हमारे देश के महान नेता थे। उन्होंने हमारे देश को अंग्रेजों से आजाद करवाया।

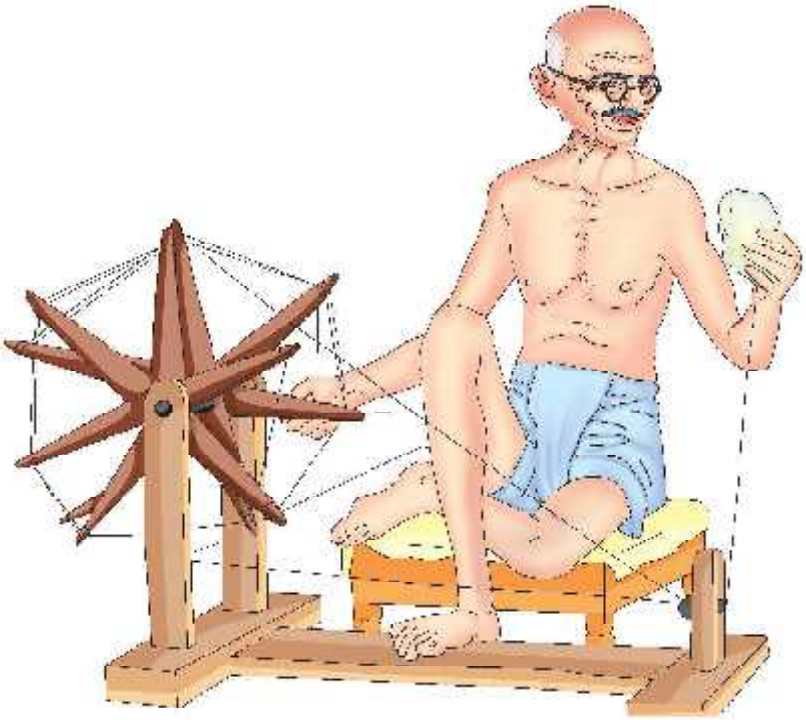

बापू के बचपन की बहुत-सी घटनाएँ ऐसी हैं जिनसे हमें सीख मिलती है तथा जीवन में कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है।

बापू एक बहुत ही सीधे-सादे विद्यार्थी थे। वे कभी कोई गलत काम नहीं करते थे।

हाईस्कूल के पहले वर्ष में परीक्षा के समय शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर 'ज़ाइल्स' उनके विद्यालय की जाँच करने आए थे। उन्होंने विद्यार्थियों की जाँच करने के

लिए अंग्रेजी के पाँच शब्द लिखने को कहे। 'केटल' शब्द भी उनमें से एक था। गाँधीजी को यह शब्द लिखना नहीं आता था।

शिक्षक ने बापू को जूते की नोक मारकर इशारा किया कि वे अपने साथी का लिखा शब्द देखकर सही कर लें, किंतु बापू ने ऐसा नहीं किया। वे कभी किसी की नकल नहीं करते थे।

सभी विद्यार्थियों के पाँचों शब्द सही निकले, किंतु बापू का एक शब्द सही नहीं था। उन्हें बेवकूफ ठहराया गया।

शिक्षक ने भी बाद में उन्हें खूब डाँटा कि साथ वाले विद्यार्थी का देखकर उन्होंने अपना 'केटल' शब्द सही क्यों नहीं किया, लेकिन गाँधीजी पर इसका कोई असर नहीं हुआ। वे न तो कभी नकल कर सके, न चोरी और न कभी झूठ बोल सके। बड़े होकर भी उन्होंने इन नियमों का पालन किया और सत्य पर डटे रहे।

रचनात्मक तथा संकलित अभ्यास

शब्द-अर्थ

महान = बहुत बड़ा, श्रेष्ठ

प्रेरणा = उत्साह बढ़ाने वाला (किसी काम को करने के लिए उकसाना)

नियम = रीति, कायदा

आजाद = मुक्त

इंस्पेक्टर = जांच करने वाला अफसर

सत्य = सच।

1. प्रश्नों के उत्तर दो :

(क) बताओ महात्मा गाँधी कौन थे ?

(ख) उन्होंने हमारे देश के लिए क्या किया ?

(ग) गाँधीजी कैसे विद्यार्थी थे ?

(घ) शिक्षक के कहने पर भी उन्होंने अपने साथी का लिखा देखकर अपना गलत शब्द सही क्यों नहीं किया ?

2. 'अ' को 'ब' से मिलाकर वाक्य पूरे करो :

'अ'	'ब'
1. बापू एक बहुत ही सीधे-सादे	(क) लिखना नहीं आता था।
2. उन्होंने हमारे देश को अंग्रेजों से	(ख) विद्यार्थी थे।
3. गाँधीजी को यह शब्द	(ग) नकल नहीं करते थे।
4. बापू कभी भी किसी की	(घ) आजाद करवाया।

3. पढ़ो और समझो ऱ तथा ९

प्रेरणा अंग्रेज

वर्ष विद्यार्थी

4. खाली स्थान भरो :

(क) उनके जीवन से हमें कुछ अच्छा करने की ..... मिलती है।

(ख) वे कभी किसी की ..... नहीं करते थे।

(ग) उन्होंने इन नियमों का ..... किया

5. इस कविता को याद करो :

तितली रानी

बड़ी सयानी, तितली रानी,
फूल-फूल पर जाती है।
फूल-फूल से, रंग चुराकर,
अपने पंख सजाती है।
बड़ी सयानी, तितली रानी,
मेरा मन ललचाती है।
जब मैं उसे, पकड़ने जाता,
इधर-उधर उड़ जाती है।
बड़ी सयानी, तितली रानी,
फूल-फूल पर जाती है।

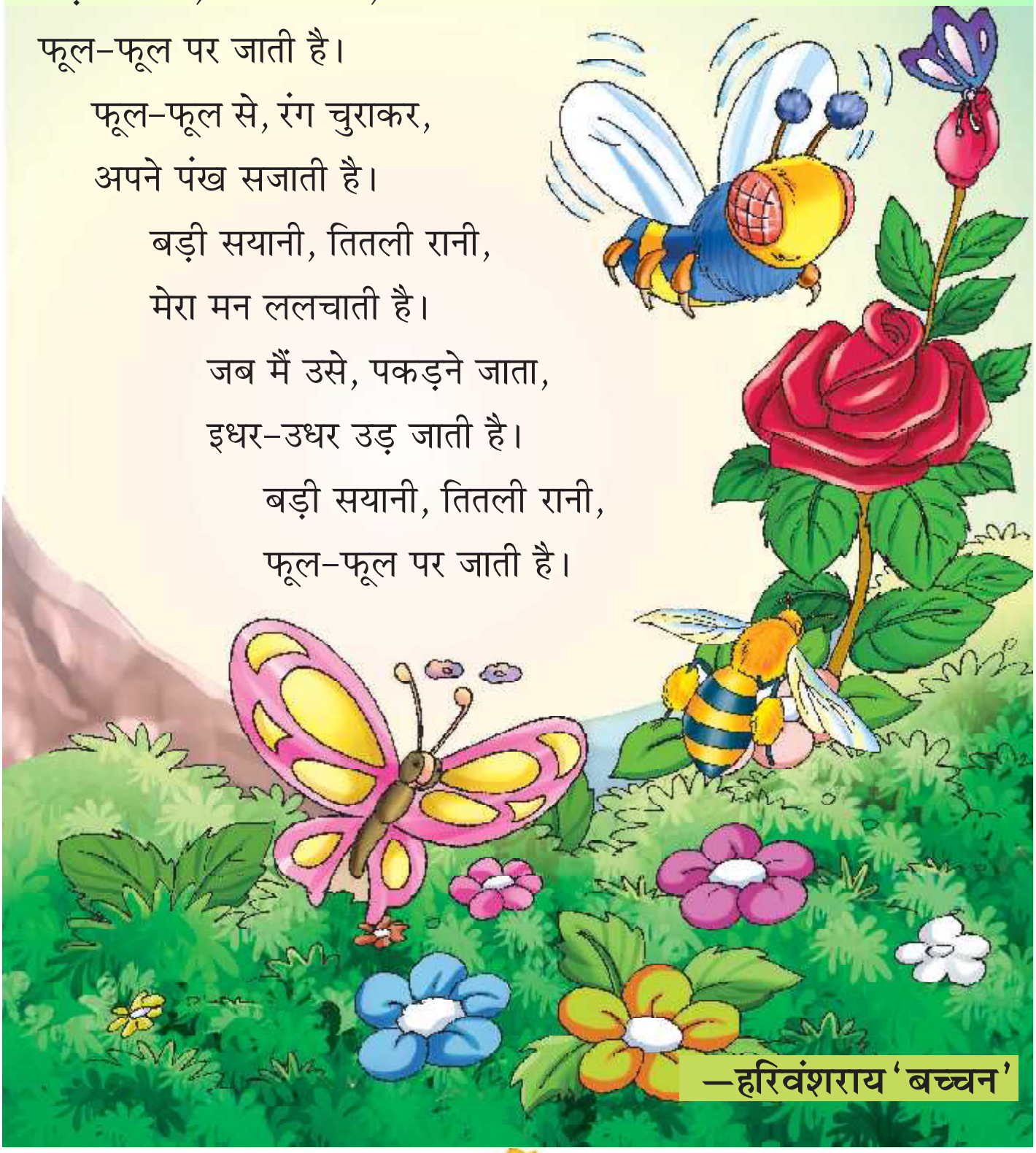

—हरिवंशराय 'बच्चन'

पाठ – 3

सुंदर पक्षी मोर

निराला, सुंदर, पक्षी, प्रसिद्ध, श्रीलंका, म्यानमार, अफ्रीकी, आकर्षक, मुकुट, चाँद, चिह्न, भारतवर्ष, राष्ट्रीय, पक्षी, कानूनी, मकोड़े, साँप, नृत्य, प्रसन्नता, शुभ, वस्तुएँ, कृष्ण, पंख।

मोर सबसे निराला तथा सुंदर पक्षी है। सुंदरता के कारण ही यह इतना प्रसिद्ध है। मोर भारतवर्ष, श्रीलंका, म्यानमार और अफ्रीकी देशों में पाया जाता है।

बनावट : मोर रंग–बिरंगा तथा बहुत ही आकर्षक होता है। इसकी गर्दन लंबी होती है तथा सिर पर कलगी होती है, जो मुकुट जैसी लगती है। थोड़ा बड़ा व भारी शरीर होने के कारण मोर बहुत दूर तक नहीं उड़ सकता।

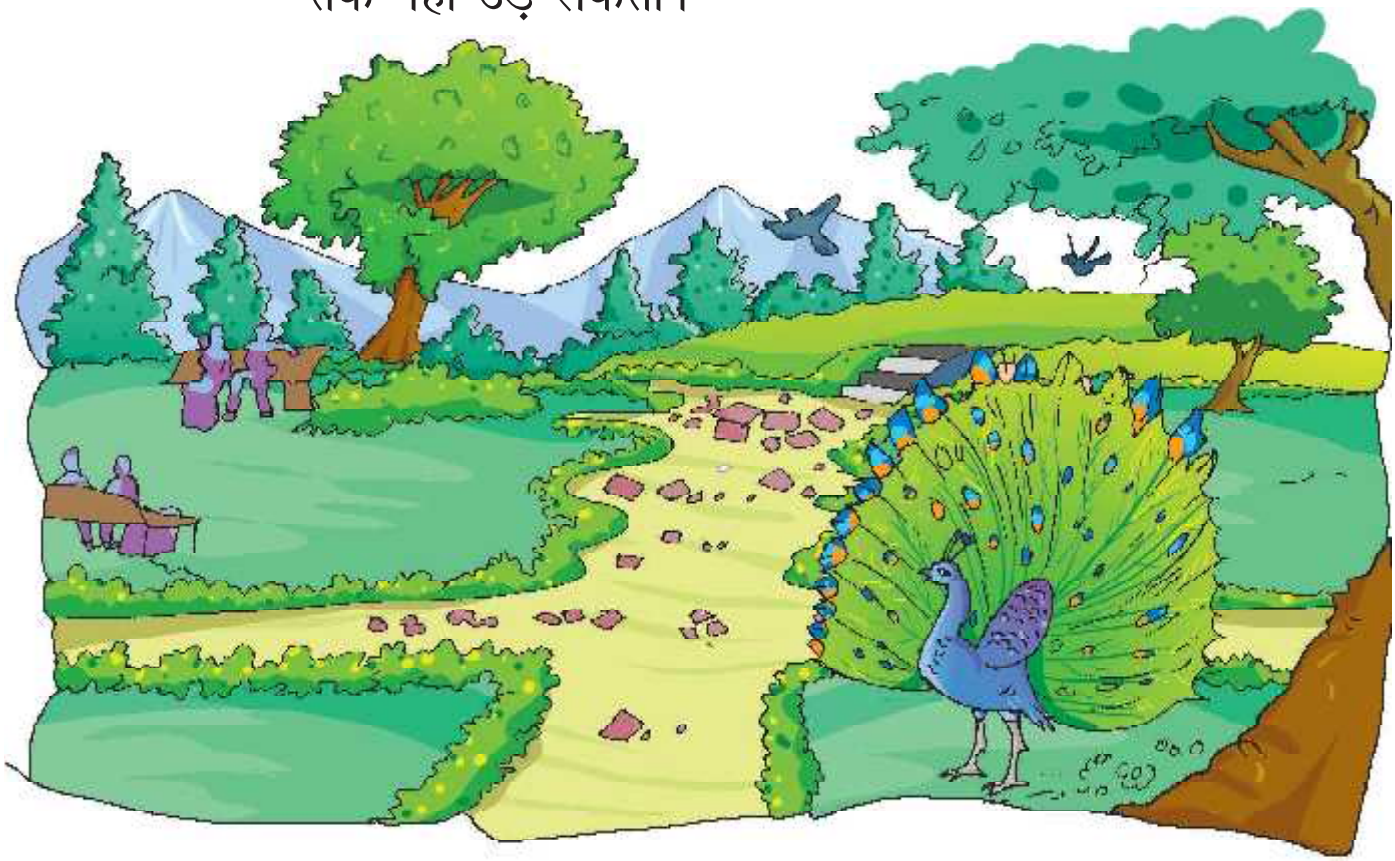

मोर की गर्दन नीले रंग की और चमकदार होती है तथा आँखें छोटी होती हैं। चोंच भी छोटी होती है। मोर के पंख कई रंग के होते हैं—जामुनी, हरे, नीले तथा सुनहले। पंख लंबे व बहुत सुंदर होते हैं। इनमें चाँद जैसा चिह्न बना होता है। मोर की दो छोटी टांगें भी होती हैं। मोर भारतवर्ष का राष्ट्रीय पक्षी है। इसे मारना कानूनी अपराध है।

आहार : मोर अन्न के दाने और कीड़े-मकोड़े खाता है। साँप इसका शत्रु है, जिसे मोर साबुत ही निगल जाता है।

निवास : मोर घने पेड़ों पर रहता है।

मयूर नृत्य : वर्षा ऋतु में मोर पंख ऊपर फैलाकर खूब नाचता है। इसका नृत्य अति सुंदर होता है तथा चाल भी मस्तानी होती है, शान से भरी हुई।

मोर के पंख : मोर के पंख शुभ माने जाते हैं, जिनसे सजावट की बहुत सी वस्तुएँ बनती हैं। कहा जाता है कि श्रीकृष्ण जी भी अपने सिर पर मोर के पंख लगाते थे।

रचनात्मक तथा संकलित अभ्यास

शब्द-अर्थ

निराला	=	अनोखा	**आकर्षक**	=	सुंदर, मनोहारी
प्रसिद्ध	=	मशहूर	**नृत्य**	=	नाच
प्रसन्नता	=	खुशी	**शुभ**	=	मंगल

Saral Hindi Textbook For class 2

Publisher : Sahitya Bhawan ISBN : 9789353398569 Author : Sarika Singh

Type the URL :https://www.kopykitab.com/product/48423

Get this eBook